Unit (A) Paper-III
Psychology (Hons) Part-(2)
By- Dr. Ramendra Kr. Singh
D. K. College, Dumraon

SHORT NOTES ON SOURCE OF ERRORS IN INTERVIEW

अनुसंधान के लिये सूचना संग्रह करना एक अत्यंत ही आवश्यक कार्य होता है। इसके लिये विभिन्न तरह के शोध उपकरणों (Research Tools) का उपयोग में लाया जाता है। साक्षात्कार भी सूचना-संग्रह की एक बहुत ही लोकप्रिय उपकरण है। क्योंकि तथ्यों को संग्रहित (Data Collection) करने हेतु आज भी इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन वास्तविकता यह है कि यह त्रुटियों से रहित नहीं है। अतः त्रुटियाँ होने की संभावनाएँ बनी रहती है। मैकोबी एवं मैकोबी (Maccoby & Maccoby) ने साक्षात्कार विधि की त्रुटियों की छः प्रमुख स्रोतों को बताया है:—

(1) साक्षात्कारकर्ता का व्यक्तित्व :- मैकोबी एवं मैकोबी के अनुसार साक्षात्कारकर्ता का अपना व्यक्तित्व उसकी हाव-भाव, रंग-रूप और सामाजिक हैसियत का प्रभाव उत्तरदाता (Interviewee) पर पड़ता है, जिससे कभी-कभी वास्तविक सूचनाएँ प्रभावित हो जाती है। Katz (1942) ने अपनी कुछ अध्ययनों के आधार पर बताया कि जब Interviewer उच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग का सफेद वेश-भूषा वाला होता है तो उसके प्रति व्यक्तियों की अनुक्रियाएँ निम्न सामाजिक हैसियत वाले व्यक्तियों अथवा उसी लोगों के प्रति की गई अनुक्रियाओं में अन्तर पाया जाता है। अतः स्पष्ट हो जाता है कि साक्षात्कार में त्रुटी का एक स्रोत इसे माना जा सकता है।

(2) साक्षात्कारकर्ता द्वारा प्रश्न रखने का ढंग अथवा शब्दों पर दिया गया बल :- साक्षात्कारकर्ता द्वारा प्रश्नों को रखने का ढंग और उच्चारित शब्दों पर दिया गया जोर अथवा बल (Emphasis) उत्तरदाताओं को प्रभावित करता है। GUEST ने अपने अध्ययनों से यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि साक्षात्कार के दौरान शब्दों (प्रश्नों) को पूछते समय शब्दों पर दिये

गये जोर (Emphasis) से भी उत्तरदाताओं की प्रतिक्रियाएँ प्रभावित होने लगती हैं। अतः इसे भी साक्षात्कार की त्रुटियों का स्रोत माना जाता है।

(3) साक्षात्कारकर्ता की मनोवृत्ति :- इसे भी मैकोबी एवं मैकोबी ने साक्षात्कार की त्रुटियों का एक स्रोत माना है। इस संदर्भ में मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अगर Interviewer स्वयं किसी विशेष राजनीतिक-दल अथवा विशेष धार्मिक विचारधारा वाले दल से होता है तो इसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से Interviewee की प्रतिक्रियाओं पर पड़ने लगता है। इस संदर्भ में CENTERS (1945) ने कई अध्ययन इस बात की पुष्टि करता है।

(4) साक्षात्कारकर्ता की अपेक्षाएँ :- इसे भी साक्षात्कार में एक त्रुटि का स्रोत माना गया है। इस संदर्भ में कई अध्ययन किये गये हैं। Smith & Hyman ने अपने अध्ययनों में पाया कि Expectations of interviewer उत्तरदाताओं की व्यवहारों का निरीक्षण तथा अभिलेखन (Record) को प्रभावित करता है।

(5) उत्तरदाता में उत्पन्न घबड़ाहट (Nervousness) पर साक्षात्कार को कुछ हद प्रभावित करता है। कभी-कभी उत्तरदाता प्रश्नों के उत्तर देने में झीझक महसूस करते हैं ऐसा घबड़ाहट के कारण होता है। इसका एक कारण साक्षात्कार करने वाले व्यक्ति की अन्वेषण करने की अंदाज एवं तरीकों में विभिन्नताएँ पाई जाती हैं। Interviewer कितना हद तक उत्तर देने के लिये राजी कर पाते हैं इसका प्रभाव साक्षात्कार पर पड़ता है। Feldman आदि का अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं।

(6) साक्षात्कारकर्ता का उत्तरों के अभिलेखन (Recording) में अन्तर :- साक्षात्कारकर्ता द्वारा प्राप्त उत्तरों का अभिलेखन किस साधन द्वारा किया जा रहा है इसका भी तथ्यों

के स्वरूप पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। जब कोई अध्ययनकर्ता अपनी स्मृति के आधार पर उत्तरों का अभिलेखन (Recording) करता है और जब वह किसी यंत्र/उपकरणों के द्वारा करता है तो दोनों में महत्वपूर्ण अन्तर दिखाई पड़ता है। अतः तथ्यों की Recording के तरीके साक्षात्कार में त्रुटियों के लिये उत्तरदायी हो सकते हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि साक्षात्कार की प्रक्रिया में त्रुटियों के इन स्रोतों का संकलित तथ्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके बावजूद कुछ सावधानियों को अपनाकर साक्षात्कार में होने वाली अशुद्धियों का कुछ हद तक न्यूनीकरण किया जा सकता है।

E. Content Study material
for U.G. [B.A. Part (2)]
Psychology (Hons)
Paper III
By - Dr. Ramendra Kr. Singh
Deptt of Psy.
D.K. College, Dumraon
(Buxar)